

fut.: अनाहोरो u. s. w. श्रेणी पुस्ताचकालायां यावन्मा प्रतियास्यति R. 2,111, 14. DAÇAK. in BENF. Chr. 181, 16. यावदेव नलः क्वचित् । इतो नेता हि MBn. 3, 2613. mit aor.: तावच्चेटिकाभिर्विमाद्वितः । यावत्तृतीये प्रद्वे द-प्राप्तिपतिरगमत् ॥ KATHAS. 4, 58, 18, 122. mit imperf.: यावत्त्रापातो भवत् 4, 61. mit Ergänzung der copula: उच्छेषणां तु ततिष्ठेयावद्विप्रा विसर्जिताः M. 3, 265. JĀN. 2, 141. R. 1, 64, 19. 3, 53, 19. VARĀH. Brh. S. 53, 25. KATHAS. 7, 28. यावत्त्रालस्य पर्ययः MBh. 1, 5729. Spr. 2764. यावच्चन्द्रोऽक्षिणीयोगः VIKR. 38, 12. यावज्जीवितसंतप्तः MĀRK. P. 110, 26. BHĀG. P. 41, 24, 19. स्थोयतामत्र यावद्गमनं मम MBh. 1, 2876. R. 2, 32, 24. R. GORR. 2, 26, 26. 31, 13. 5, 3, 74. MĀRK. P. 22, 14. यावत्तुरगर्शनम् R. 1, 40, 14 (41, 15. 17 GORR.). 49, 18 (50, 17 GORR.). यावद्वत्तमापनम् BHĀG. P. 8, 16, 45. दक्षिणांश्चापि पाञ्चालान्यावच्चर्मवती नदी (वर्मवती नदीम्?) MBn. 1, 5513; vgl. h) β). — f) यावत् mit einer Negation *so lange nicht, bevor, ehe, bis dass*; mit praes.: प्रौढेण इति समस्तावयावदेदे न वायते M. 2, 172. 5, 126. 11, 153. भवते ऽश्रमाय गच्छाव यावत् पिता मैति MBn. 3, 10076. 3, 7486. न हृन्मि (निरुन्मि ed. Calc.) फाल्गुनं यावत्तावत्पादौ न धावये 8, 304. 13, 4558. R. 1, 63, 15. R. GORR. 1, 41, 29. 67, 8. 3, 1, 28. 30. 68, 37. KUMĀRAS. 4, 20. VIKR. 61, 10. ČĀK. 139, v. l. Spr. 533. 1026. sg. 1030. 1861. 1916. 2483. 2601. 3168. KATHAS. 13, 42. 52, 206. 33, 4. 6. MĀRK. P. 109, 37. PANĀKAT. 21, 3. 61, 3. HIT. 15, 10. 43, 12. VET. in LA. (III) 21, 15. पुराधर्मी वर्तते नेह यावत्तावद्वच्छामः मुख्लोकं चिराय MBn. 13, 4556. mit potent. AV. 12, 4, 27. Spr. 2479. BHĀG. P. 3, 18, 25. तावत्स्यादमुचिर्विप्रो यावत्तस्यादनिदृशम् M. 3, 79. mit fut. KHĀND. UP. 6, 14, 2. MBn. 3, 2623. 13, 4558. R. 2, 99, 5. fgg. R. GORR. 2, 16, 19. mit imperf. RĀGA-TAR. 4, 579. ohne verbum finitum: यावन्न कृतमूलास्ते — तावत्प्रकृत्यागस्ते MBn. 1, 7426. यावत्पर्यन्तेषिणः ॥ न दूर्ते ते गताः 7763. 3, 15340. R. 2, 99, 8. KATHAS. 10, 119. यावन्न प्रून्या दिशः Spr. 634. 2482. यावद्यमनागतम् 1029. 2484. यावन्न bedeutet auch *falls nicht*: यावह्वं नावादयसि प्रथमं भूयते रक्तं तावन्मम देव्युक्तृतः शंपयः स्पात् PANĀKAT. 62, 1. ob *nicht*: जिज्ञासनाय रक्तं ते मया शाकरसीकृतम्। यावन्नायाप्यरुक्ताः परित्यक्तस्वया मुने ॥ KATHAS. 3, 136. — g) न परम् und न केवलम् — यावत् so v. a. *nicht nur — sondern sogar*: प्रजानो न परं चक्रे यः पितेवानुपालनम्। यावद्गुरुत्वं ज्ञानमयि स्वयमादिशत् ॥ KATHAS. 27, 14. ततिश्चिकित्स्यमानः सन्त्रणात्स्य दिने दिने । न परं न सोहैव यावनाडीविमायै 28, 160. 29, 123. sg. तप्तक्षास्मातिं लया नीतं न परं बत मानसम्। यावच्छरीरम् (von Brockhaus als comp. gefasst) ऋष्येता निःस्त्रेहृष्यो दशाम् ॥ 86, 59. न केवलम्। प्रवुद्धा नैतानङ्ग्रीष्मो यावत्स्वप्यसिम् ॥ 52, 217. 53, 125. PANĀKAT. 31, 17. — h) praep. a) *während*, mit acc.: सप्ताष्टिवसं यावत् R. 1, 10, 20 (21 GORR.), सप्ताष्टिवसावाजा ed. BOMB.). वर्षं पावत् *ein Jahr lang* Spr. 1441. सकलां रात्रिं पावत् PANĀKAT. 117, 8. मासमेकं पावत् HIT. 42, 2. यावदर्याणि दाश्म SuCR. 4, 167, 14. — β) *bis* (räumlich und zeitlich), mit acc.: धर्षणो विभिदुः कुञ्जाः सर्वे यावद्वातलम् R. GORR. 1, 41, 23. यावद्यनवं लिप्ता चन्दनेन सुगन्धिना 2, 8, 48 (9, 43 SCHL.). रविर्यानुपातव्यो यावद्यस्योदयम् 4, 60, 8. स्वगृहं यावत् KATHAS. 54, 47. सर्वकोटिर् यावत् PANĀKAT. 98, 22. HIT. 111, 18. न-दीं पावच्छरावतीम् H. 932. दक्षिणां वेदिश्चाणिं यावत् Schol. zu KĀTJ. CR. 5, 4, 9. पादाङ्गो यावत् VARĀH. Brh. S. 58, 46. समयः परिपालयो नो यावद्वर्षं त्रिपादशम् MBn. 3, 15311. यावच्छुल्लात्रयोदशम् BHĀG. P. 8, 16, 48.

यावत्सोत्रसमाप्तिम् Schol. zu KĀTJ. CR. 9, 7, 4. अवध्यकालं यावत् 6, 8, 3. सूर्योदयं यावत् R. 2, 63, 11. परिणायनं यावत् DĀ. 166, 14. यागमनं यावत् KATHAS. 93, 71. संध्याकालं यावत् PANĀKAT. 87, 20. जयपराजयं यावत् DHŪRTAS. 92, 3. Statt des acc. der nom. mit folgendem इति: प्रकृत्या इत्यधिकारो इति यावत् Schol. zu P. 6, 2, 137. 3, 3, 19. SIDDH. K. zu 4, 1, 82. अत उर्ध्मीष्टपरिहृणिर्यावत्सतिरिति *allmäßliche Abnahme bis man siebenzig zählt* SuCR. 1, 129, 6. त्रिंशदिति यावत् VARĀH. Brh. S. 30, 19. fg. पञ्च यावदिति 33, 10. अद्य यावत् *bis heute* HIT. 20, 19. ततः प्रभृति सर्वाश्च यावद्विशत्यगपताम् *bis zwanzig, bis zum zwanzigsten* (adv. comp.) R. 7, 94, 16; vgl. oben u. e) am Ende. यावदा mit abl. dass.: यावदा स्वैर्यसंभवात् SuCR. 1, 18, 10. यावत् *allein mit abl.*: यावद्विशत्यनपान्न यावद्वयोपसेवनात्। जतवः कर्मणा वृत्तिमाप्नुवति पुष्पिष्ठिर्॥ MBn. 3, 1205. — 3) यावता (instr.) *wie weit, wie lange*: यावता (= यदा Comm.) चित्रकूटस्य नरः प्रङ्गाणयेत्वते R. 2, 34, 29. यावता जीवेत BHĀG. P. 4, 2, 10. 5, 22, 5. 6. *bis dass*: यावता दश पूर्वेरन् LĀT. 9, 2, 4. mit einer Negation *so lange nicht, bevor*: नागमध्यावता गुरुः BHĀG. P. 9, 13, 3. यावता नागतो गतः 3, 23. तावतैव कुलवृद्धिर्यावता पाणियकृणां न भविष्यति Z. d. d. m. G. 14, 570, 19. यावता *sobald als, in dem Augenblick als*: यावता राजा द्वारमुद्दाय पश्यति तावता u. s. w. 371, 23. यावता सर्वे ऽपि तं लात्वा कियतं मार्गं गतास्तावत् Verz. d. Oxf. H. 136, a, 27. — 4) यावति (loc.) *wie weit* ČAT. BR. 8, 6, 2, 8. *wie lange*: यावतिः तत्र सूर्यो गच्छेत् TBR. 1, 5, 2, 1. — Vgl. तावत्.

यावन्मात्रैः (यावत् + मात्रा) adj. (f. आ) 1) *welches Maass habend, wie gross, wie weit sich erstreckend*: यावन्मात्रमुत्त्वाणं तावद्वयादचं वार्धर्च वा u. s. w. ČĀNKH. Ba. 26, 5 bei MÜLLER, SL. 406. पुरे तावत्तमवास्य तनोति रविरातपम्। दीर्घिकाकमलोन्मेषे यावन्मात्रेण साध्यते ॥ KUMĀRAS. 2, 33. — 2) *mässig, unbedeutend, winzig*; °*मात्रम्* adv. *ein wenig, einigermaassen*: यावन्मात्रेण च मया महायेन MBn. 7, 7274. यावन्मात्रापि सत्क्रिया Spr. 3423. यावन्मात्रमिवैवावयत् ČAT. BR. 1, 7, 2, 9. तस्य देवा यावन्मात्रमिव गन्धस्यापद्मः 4, 1, 2, 8. यावन्मात्रै उवाचस्य रसः सर्वमन्मवति 10, 3, 5, 12. नक्तं यावन्मात्रमिवैवावक्रम्य विर्भेति AIT. BR. 4, 5. यावन्मात्रमुष्यसे न प्रतीकं सुपुर्णोऽवस्ते RV. 10, 88, 19.

यावयत्साखैः (यावयत्, partic. praes. vom caus. von 1. यु, + सखि) m. *ein abwendender d. h. vertheidigender, schützender Gefährte*: श्विः स यो मनुर्क्षितो विप्रस्य यावयत्साखः RV. 10, 26, 5.

यावयैद्वेषस् (यावयत् + द्वे०) adj. *Feinde fernhaltend* RV. 4, 113, 12. 4, 52, 4.

यावयैद्वेषम् = यावतार RATNAM. im ČKD. SuCR. 2, 7, 12. ČĀRĀG. SAMĀL. 2, 2, 63. °ज्ञ SuCR. 1, 227, 13. 2, 127, 7. VĀGBH. 6, 151.

यावसैः (von यवस) UNĀDIS. 3, 119. m. = तृणामंतति UGGVAL. — यावसानि HIT. III, 33 unnötige Aenderung LASSEN's; vgl. SPR. 5028.

यावास उद्यास उद्यासः adj. von यवास (विकारे, अवयवे) gaṇa पलाशादि zu P. 4, 3, 141.

याव्य partic. fut. pass. von यु P. 3, 1, 126. VOP. 26, 7 (von यु, यैति). = याव्य unbedeutend H. 1442, SCH.

याशु n. nach ŚĀJ. Umarmung, coitus; nach den Zusammensetzungen eher die beim coitus stattfindende Ergiessung (auch des Weibes): ददाति मस्तु याङ्गुरी याशूनां भृष्णा शृता RV. 4, 126, 6. — Vgl. श्रौं, वृहुद०,